सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 273 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 17 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

री-नीट रिजल्ट : छत्तीसगढ़ के शिप्रक और चार्वी बने संयुक्त स्टेट-टॉपर

रायपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने री-नीट 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा में छत्तीसगढ़ के रायपुर के शिप्रक गोयल और चार्वी अग्रवाल ने 99.99 परसेंटाइल हासिल किए हैं। दोनों को प्रदेश का संयुक्त स्टेट टॉपर घोषित किया गया है। शिप्रक गोयल ने ऑल इंडिया रैंक 117 हासिल की है। वहीं, चार्वी अग्रवाल की ऑल इंडिया रैंक 136 रही। दोनों अभ्यर्थी अनारक्षित (ऋ) श्रेणी से हैं। समान परसेंटाइल होने के बावजूद टाई-ब्रेकिंग नियमों के कारण दोनों की ऑल इंडिया रैंक अलग-अलग है। परिणाम के बाद शिप्रक गोयल ने बताया कि, मैंने छत्तीसगढ़ में एआईआर-117 और रैंक 1 हासिल की। मैं इस परीक्षा को किसी भी दूसरे नॉर्मल परीक्षा की तरह ही देखता हूं। अगर आप इसे कुछ बहुत खास समझते हैं, तो आप स्ट्रेस में आ जाएंगे और टेस्ट के दौरान गलतियां करेंगे। जहां तक मेरे पढ़ाई के घंटों की बात है, तो दिन में 16 घंटे पढ़ाई करने की ज़रूरत या खुद को थका देने तक काम करना पूरी तरह से घिसी-पिटी बातें हैं। मेरा मानना ??है कि दिन में 8 से 10 घंटे पढ़ाई करना काफी है, बशर्ते आप इसे दो साल तक लगातार करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होगी।

बिलासपुर पुलिस ने जारी किए यातायात नियमों से जुड़े कड़े निर्देश

बिलासपुर। जिले में छात्र सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और शैक्षणिक परिसरों को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बड़ी पहल की है। इस सिलसिले में शहर के चेतना भवन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों के प्रबंधकों को सुरक्षा और यातायात नियमों से जुड़े कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। छात्रों की सुरक्षा और सड़क सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सड़क पर आते-जाते समय छात्रों को सुरक्षित रखने के लिए यातायात संकेतों का पालन करना, सड़क पार करते समय ज़ेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करना और हमेशा हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करना अनिवार्य है। बैठक में यह बात प्रमुखता से दोहराई गई कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और उन्हें एक सुरक्षित माहौल देना पुलिस और प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एनीकट कम काजवे निर्माण के लिए 10.13 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा छुईखदान की सुरही नदी पर एनीकट कम काजवे का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ 13 लाख 77 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण से स्थानीय किसानों को स्वयं के साधन से 15.50 हेक्टेयर खरीफ फसलों के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

भारत में चलने लगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन, जींद रेलवे स्टेशन से पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

भारत हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाले पांच देशों की सूची में शामिल, पीएम बोले- जींद के लिए खास दिन

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद रेलवे जंक्शन से देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर लंबे रूट पर अपनी सेवाएं देगी। इसके साथ ही हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन में ही हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं। इसके अलावा मोदी ने एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, दो मेडिकल कॉलेजों समेत 8 प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा- जींद-सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन है। इस ट्रेन को भारत के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और भारत की ही कंपनी ने बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि फिलहाल यह ट्रेन करीब 90 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, लेकिन भविष्य में इसके विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। हम लगातार शोध करते रहेंगे, ताकि इसकी लागत कम हो और इसकी दक्षता बढ़ाई जा सके।

यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में अभी केवल तीन-चार देशों के पास ही हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने की क्षमता है और वहां भी यह तकनीक अभी शुरुआती दौर में है। ऐसे में भारत की हाइड्रोजन तकनीक और क्षमता पूरे देश के लिए गर्व की बात है। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन है। यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में से एक है। इस हाइड्रोजन ट्रेन को भारत के ही इंजीनियर्स ने डिजाइन किया है, भारत की ही कंपनी ने इसे बनाया है।

हाइड्रोजन तकनीक के क्षेत्र में बड़ा कदम : रेलमंत्री वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत ने हाइड्रोजन तकनीक के क्षेत्र में बड़ा संकल्प लिया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। देश अब उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का संचालन हो रहा है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन प्लांट में हाइड्रोजन से बिजली तैयार की जाती है, जिससे यह ट्रेन संचालित होती है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इससे किसी प्रकार का धुआं या प्रदूषण नहीं फैलता। उत्सर्जन के रूप में केवल पानी की बूंदें और जलवाष्प निकलती हैं इसलिए यह पर्यावरण अनुकूल तकनीक मानी जाती है।

75 किमी रफ्तार और 89 किलोमीटर का सफर

10 कोच वाली यह ट्रेन जींद-सोनीपत रूट पर 14 स्टेशनों के बीच अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। ट्रेन 89 किलोमीटर का सफर करीब 2 घंटे में पूरा करेगी। आम लोगों को लाभ मिले इसके लिए इसका किराया 5 से 25 रुपए के बीच रखा गया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र

महतारी वंदन योजना से डेढ़ लाख नाम कटने पर हंगामा

■ मंत्री राजवाड़े बताया कारण तो असंतुष्ट कांग्रेस का वॉकआउट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें और अंतिम दिन प्रश्नकाल में महतारी वंदन योजना को लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ। योजना से 1.55 लाख महिलाओं के नाम हटने और लाभार्थियों की संख्या 70.09 लाख से घटकर 68.54 लाख होने के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि नाम मृत्यु, ई-केवाईसी नहीं होने, आयकरदाता बनने और अपात्र होने जैसी वजहों से हटाए गए हैं। जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया।

प्रश्नकाल में राशन व्यवस्था का मुद्दा भी उठा। विधायक शेषराज हरबंस ने अंत्योदय कार्डधारियों को 7 किलो अतिरिक्त चावल देने की मांग की। भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने राशन दुकानों में कथित तौर पर जबरन मसाले बेचने का आरोप लगाया। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि शिकायत और दस्तावेज मिलने पर पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। प्रश्नकाल के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने साय सरकार के खिलाफ 136 बिंदुओं का आरोप पत्र पेश करते हुए अविश्वास प्रस्ताव सदन में रखा। अब इस प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चर्चा हो रही है।

सामूहिक विवाह में नकली मंगलसूत्र का मामला गूंजा

प्रश्नकाल के दौरान पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री और कांग्रेस विधायक अनिला भेड़िया ने सामूहिक विवाह आयोजन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने नकली मंगलसूत्र का मामला उठाते हुए सरकार से पूछा कि संबंधित एजेंसी के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बालोद जिले से नकली मंगलसूत्र की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए इस मामले में कार्रवाई का सवाल नहीं उठता।

धमतरी के स्कूल में छात्र ने 11 बच्चों को दांतों से काटा, 24 घंटे निगरानी में बच्चे

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक स्कूली छात्र ने अपने 11 सहपाठियों को दांतों से काट लिया, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम स्कूल पहुंची और सभी बच्चों को एहतियातन एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई। इसके बाद सभी बच्चों को जिला अस्पताल ले जाकर जांच की गई।

मामला जिले के ग्राम सिलौटी का है। जानकारी के अनुसार, कक्षा सातवीं के एक छात्र ने स्कूल में अपने 11 सहपाठियों को दांतों से काट लिया। बताया जा रहा है कि करीब तीन साल पहले इस छात्र को एक कुत्ते ने काटा था। हालांकि, डॉक्टरों ने अभी इसे रेबीज से जोड़कर पुष्टि नहीं की है। एहतियात के तौर पर सभी 11 बच्चों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई है। पूछताछ में छात्र ने बताया कि उसने मजाक में कक्षा के छह बच्चों को काट लिया था। वहीं, कबड्डी खेलते समय कुछ बच्चों ने उसकी बात नहीं मानी, तो उसने पांच अन्य बच्चों को भी दांतों से काट लिया।

जिला अस्पताल के पैथोलॉजिस्ट डॉ. आदित्य सिन्हा ने बताया कि छात्र द्वारा 11 बच्चों को काटने की जानकारी मिली है। कुछ बच्चों को उसने कक्षा में, जबकि कुछ को कबड्डी खेलते समय काटा। शुरुआती तौर पर यह आक्रामक व्यवहार (एग्रेसिव बिहेवियर) का मामला प्रतीत होता है। डॉ. सिन्हा ने बताया कि

छात्र ने पूछताछ में कबूल किया कि उसने गुस्से और मजाक में ऐसा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल तीन साल पहले कुत्ते के काटने की घटना के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि छात्र को रेबीज है। उसकी जांच की जा रही है और फिलहाल उसमें रेबीज के स्पष्ट लक्षण नहीं मिले हैं।

बच्चों को 24 घंटे के ऑब्जर्वेशन में रखा गया

डॉक्टर ने बताया कि छात्र को 24 घंटे के ऑब्जर्वेशन में जिला अस्पताल में रखा गया है। यदि उसमें कोई संदिग्ध लक्षण दिखाई देते हैं, तो उसे आगे की जांच के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा जाएगा। वहीं, जिन 11 बच्चों को उसने काटा है, उन्हें एहतियातन एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई है। फिलहाल सभी की हालत सामान्य बताई गई है।

12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया मगरमच्छ पैर धो रहा था और अचानक कर दिया हमला

बहराइच। यूपी के बहराइच में 12 वर्षीय बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें मगरमच्छ बालक को लीलते हुए दिख रहा है। वीडियो देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए।

घटना बौंडी थाना के मुरौवा गांव की है। गांव निवासी सुनील सिंह (12) बृहस्पतिवार को अपने चाचा के साथ धान की रोपाई करने खेत गया था। शाम के समय काम खत्म होने के बाद वह घाघरा (सरयू) नदी के किनारे हाथ-मुंह धोने गया। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे एक मगरमच्छ ने अचानक उस पर हमला कर उसे जबड़ों में दबोच लिया और नदी में खींच ले गया।

पैर और पेट का हिस्सा मगरमच्छ खा गया

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सुनील को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन मगरमच्छ के हमले के कारण उसे नहीं बचाया जा सका। देर रात करीब 110:30 बजे स्थानीय ग्रामीणों ने नदी से उसका शव बरामद किया। शव के एक पैर और पेट का हिस्सा मगरमच्छ खा गया। मृतक सुनील के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपने भाई-बहनों के साथ रह रहा था और क्षेत्र के माधवपुरवा-करेहना विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था। शुक्रवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, जबकि नदी किनारे बसे ग्रामीणों में मगरमच्छ के हमले को लेकर दहशत व्याप्त है।

जयंत वैष्णव बने सीएम सुरक्षा के नए एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने मुख्यमंत्री सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जयंत वैष्णव को आगामी आदेश तक मुख्यमंत्री सुरक्षा का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। डीजीपी अरुण देव गौतम ने यह आदेश जारी किया है। जयंत वैष्णव वर्तमान में पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा), विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय रायपुर के पद पर पदस्थ हैं। अब वे मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। मुख्यमंत्री सुरक्षा की जिम्मेदारी पहले आईपीएस हरीश राठौर के पास थी। 10 जुलाई 2026 को जारी आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश में उन्हें कोरिया जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया था।

संपादकीय

जन्मदर में गिरावट

जनसंख्या दर में बदलाव के अनुरूप बने नीतियां

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से 'दो बच्चों' से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024' शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के 'रिप्लेसमेंट लेवल' से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- 'सबके लिए एक ही जनसंख्या नीति' की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

> " दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024' शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के 'रिप्लेसमेंट लेवल' से कम है।

ऐसे में जब भारत का एक बड़ा हिस्सा बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि के बजाय जन्म दर में गिरावट से जूझ रहा है तो परिवार के आकार के आधार पर नागरिकों को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराकर दंडित करना तर्कसंगत नहीं लगता। निर्विवाद रूप से समय के साथ अप्रासंगिक हो चले ऐसे कानून गरीब और ग्रामीण परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं। नीति नियंताओं को गंभीरता से मंथन करना चाहिए कि मौजूदा जनसांख्यिकीय लाभांश-यानी आर्थिक विकास को गति देने वाली बड़ी कामकाजी आबादी हमेशा हमारी उपलब्धि नहीं बनी रहेगी। जनसंख्या की दर में मौजूदा गिरावट के चलते आने वाले दशकों में बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा बढ़ता जाएगा। ऐसे में कम प्रजनन दर वाले राज्यों को बढ़ती उम्र वाली आबादी के आधिक्य के चलते श्रमशील आबादी की कमी और बढ़ते सामाजिक सुरक्षा बोझ के लिये तैयार रहना होगा। वहीं दूसरी ओर उच्च प्रजनन दर वाले राज्यों को युवा आबादी को उत्पादक मानव पूंजी में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण और रोजगार सृजन में निरंतर निवेश करने की जरूरत है। निस्संदेह, अब वक्त आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण के पुराने उपायों को साक्ष्य आधारित, क्षेत्र-विशिष्ट जनसांख्यिकीय नीतियों से प्रतिस्थापित किया जाए। सही मायने में जनसंख्या पर विमर्श को अब केवल संख्या नियंत्रण तक सीमित न रखकर, हमें निष्पक्षता और दूरदर्शिता के साथ जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रबंधन की ओर ले जाना होगा। अकसर दक्षिण भारत के राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय सरोकारों के लिये ईमानदारी से जनसंख्या नियंत्रण का कार्य संपन्न किया है। लेकिन उन्हें आज इसकी कीमत घटी दर पर मिलने वाले वित्तीय संसाधनों के रूप में चुकानी पड़ रही है। उनका आरोप रहता है कि जनसंख्या नियंत्रण की अनदेखी करने वाले उत्तरी राज्यों को केंद्र से अधिक वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया जाता है। हाल ही में महिला आरक्षण लागू करने में परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण भारतीय राज्यों के मुखर विरोध को इसी आलोक में देखा जाना चाहिए।

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

पुष्परंजन

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया।

ब्रूस ली की फिल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की ज़रूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था।

कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज

के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है।

चीन के मशहूर बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख के खिलाफ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।'

पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंजूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की।

चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुज़ारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ मुड़ गए।

हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आज़ादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज़ सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है।

इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ़्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ।

वर्ष 2006 में, डेंगफेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फूशो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ़्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्ज़री होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फंड जुटाने की कोशिश की।

चीन में लगभग 33,500 पंजीकृत बौद्ध और 9,000 ताओ मंदिर हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कुल धार्मिक स्थलों की संख्या लगभग 144,000 है। इसके अलावा, अनौपचारिक या छोटे पारंपरिक पूजा स्थलों की संख्या 192,000 से भी अधिक है। चीन की अदालतें मंदिरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों के सटीक और सार्वजनिक आंकड़े जारी नहीं करती हैं।

चीन के मंदिरों में करप्शन का यह पहला मामला नहीं था। 2018 में, पेइचिंग के मशहूर लोंगक्वान मंदिर के मठाधीश और उस समय बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ चाइना के अध्यक्ष रहे ज़्यू चेंग 'मी-टू' रिपोर्ट के आने के बाद पद से हटा दिये गए थे। सरकारी जांच में इसकी पुष्टि हुई, कि उन्होंने महिला शिष्याओं पर दबाव बनाने के लिए अश्लील मैसेज भेजे थे; साथ ही, मंदिर के फंड का भारी-भरकम हिसाब-किताब न होने और संपत्ति के गैर-कानूनी विस्तार का भी खुलासा हुआ। शी के पतन से चीन के भिक्षुओं की प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा है, जिसके बाद कई संस्थागत सुधार शुरू किए गए हैं। चीन में सरकार की सरपरस्ती पाकर बड़े बौद्ध भिक्षु अक्सर कॉर्पोरेट अधिकारियों की तरह काम करते हैं। किसी बड़े काण्ड का खुलासा न हो, तो मठाधीशों का गोरखधंधा चलता रहता है!

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

मुंबई के चश्मे से चंडीगढ़ का दीदार

संदीप गोयेल

मुंबई में रहने वाले एक 'चंडीगढ़िए' का नजरिया : चंडीगढ़ बोरिंग है। पर, यही इसकी खासियत है: मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो'? कहता हूं: 'गेड़ी'। चाय। बातें'। वे पूछते हैं, 'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज़ नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से नीरस है जैसे कोई अच्छी किताब।

मैं मुंबई में रहता हूं। लेकिन जब भी कोई पूछता है, 'घर कहां है' तो मेरा जवाब हमेशा यही होता है—चंडीगढ़। हालांकि, मुंबई में रहते करीब 30 साल हो गए। गगनचुम्बी इमारतें, चंडीगढ़ की एक कोठी की कीमत के बराबर वहां केवल छोटा-सा 2 बेडरूम फ्लैट मिलना, और वड़ा-पाव खाकर डेडलाइन पूरी करने की भागमभाग। फिर भी, चंडीगढ़ को किसी पुराने साथी की तरह देखता हूं, जिससे आज भी लगाव है। वहां की हर चीज़ का पता रहता है।

मुंबई में पहला झटका जगह को लेकर लगता है। यह शहर आपको सिकोड़ देता है। यहां मेरा फ़्लैट लगभग 1200 स्क्वेयर फ़ीट का है जबकि सेक्टर 21 में मेरे माता-पिता का घर एक कनाल का है, जिसके लॉन में पुदीना उगाते हैं। मुंबई में, अगर बालकनी में दो कुर्सियां बिछ जाएं,तो हम खुश हो जाते हैं। चंडीगढ़ में लोग शिकायत करते हैं कि पार्किंग में दो एसयूवी गाड़ियां नहीं आ पातीं।

चंडीगढ़ वापस जाता हूं, तो शुरुआती 2-3 दिन बस घूमता रहता हूं। चौड़ी सड़कें। पेड़-पौधे। हॉर्न का शोर नहीं। सोचता रहता हूं, 'यहां इतनी जगह क्यों है'? और फिर मुझे याद आता है 'द सिटी ब्यूटीफुल' का मकसद यही तो था। ली कॉर्बुज़िए ने इसे इस तरह प्लान किया था कि आप खुलकर सांस ले सकें। मुंबई ने खुद को इस तरह प्लान किया कि आप बस 'एडजस्ट' कर सकें।

दूसरा झटका समय को लेकर लगता है। मुंबई इस बात पर चलती है कि 'बस पहुंच रहा हूं' जिसका मतलब होता है 45 मिनट। वहीं, चंडीगढ़ में '10 मिनट में आ जाता हूं' का मतलब सच में 10 मिनट होता है। मैंने अपने मुंबई वाले दोस्तों को बताया —मैं 'सेक्टर 17' में किसी से मिलने जा रहा हूं। उन्होंने पूछा, 'कितना समय लगेगा'? मैंने कहा 5-7 मिनट। वे इसे मजाक समझे। चंडीगढ़ में दूरी को घंटों में नहीं, सेक्टर में मापा जाता है। 'मैं 22 में हूं, तू 35 आ जा'। यह 15 सेकंड का मामला है। इसकी मुझे बहुत याद आती है। घर से दूर रहने पर आप अपने शहर को अलग नज़रिए से देखते हैं।

पहला, चंडीगढ़ बोरिंग है। पर, यही इसकी खासियत है: मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो'? कहता हूं: 'गेड़ी'। चाय। बातें'। वे हैरान होकर पूछते हैं, 'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज़ नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव या 'ऑन' रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से बोरिंग है जैसे कोई अच्छी किताब। दूसरा, चंडीगढ़ के लोग मीन-मेख निकालते अथवा मापते हैं: यह भी खासियत है। मुंबई में किसी को परवाह नहीं कि आप बाज़ार क्या पहनकर जा रहे। लेकिन चंडीगढ़ में आपका पड़ोसी आपके नए कुर्ते पर कमेंट भी कर देगा। पहले मुझे यह बात अखरती थी।

अब अहसास होता है : यही भाईचारा है। तीसरा, चंडीगढ़ अमीर है, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है : मुंबई दिखावा करता है। बांद्रा, जुहू की रूफटॉप पार्टियां। बॉलीवुड। चंडीगढ़ में शहर के अंदर ही फार्महाउस हैं-सेक्टर 9 में मेरे एक वकील दोस्त का 10.5 कनाल का बंगला है। सबके पास बड़ी-बड़ी एसयूवी गाड़ियां, लेकिन दिखावे का तरीका अलग है। यहां रुतबे का दिखावा व्यावहारिक है। ठेठ चंडीगढ़िया स्टाइल।

मुंबई में होता हूं, तो चंडीगढ़ के दोस्तों वाला व्हाट्सएप ग्रुप मेरा चंडीगढ़ का न्यूज़ चैनल बन जाता है। वहां के मौसम और ट्रैफिक का पता रहता है। यह भी कि सेक्टर 26 में कौन-सा नया कैफें खुला है।

मुंबई के लोग ग़लत समझते हैं, उन्हें लगता है कि चंडीगढ़ 'छोटा सा' है। तकनीकी रूप से हां, केवल 114 वर्ग किलोमीटर। लेकिन भावनात्मक रूप से, बहुत विशाल है। क्योंकि हर कोई किसी न किसी चंडीगढ़ वाले को जानता है। मुंबई की एक पार्टी में मैं ऐसे 3 लोगों से मिला जिन्होंने कहा, 'मेरी मौसी चंडीगढ़ में रहती हैं', 'मेरा कज़िन पीजीआई में था', या 'मैं बचपन में रॉक गार्डन गया था'। चंडीगढ़ भारत का दूसरा घर है। कोई मानता नहीं, लेकिन हरेक का इससे कोई न कोई नाता है।

मुंबई के लोगों को यह भी लगता है कि चंडीगढ़ में रहने वालों के पास 'करने-धरने को कुछ नहीं'। मैं कहता हूं कि हमारे पास करने को बहुत कुछ है। बस हम सब कुछ आराम से करते हैं। हम ब्रंच नहीं करते, कहते हैं 'घर आ जाओ, राजमाह बने हैं।'

मुंबई में 'अपने घर की याद' अजीब तरह से आती है। बड़ी चीज़ों की वजह से नहीं। अप्रैल में कोयल की कूक की वजह से, सर्दियों की धुंध की वजह से जो सब कुछ रोमांटिक बना देती है। मटका चौक से शिवालिक की पहाड़ियों के नज़ारे की वजह से।

मुंबई ने मुझे व्यवसाय दिया, चंडीगढ़ ने मेरा वजूद दिया है। मुंबई में मैं 'विज्ञापन जगत का एक बंदा' हूं। चंडीगढ़ में मैं 'गोयल साहब का बेटा, जो डीएवी से पढ़ा और अब मुंबई में है' हूं। मुझे दोनों की ज़रूरत है। लेकिन घर जैसा अहसास एक ही जगह है।

मुंबई से देखने पर चंडीगढ़ ऐसा लगता है जिसने भागमभाग में फंसने से साफ इनकार कर रखा है। जब मुंबई में ऊंची इमारतें बन रही थीं, तब चंडीगढ़ ने अपने पेड़ बचाए रखे। मुंबईवासी 12 घंटे की शिफ्ट करते थे, तब चंडीगढ़ में 8 बजे डिनर का रिवाज रहा। क्या चंडीगढ़ में कोई कमी नहीं? हां, है। युवा पीढ़ी शहर छोड़कर जा रही है। तन्खवाहें कम हैं। लेकिन यह एकमात्र ऐसा शहर भी है जहां मेरी बेटी रात 1 बजे गाड़ी चला सकती है, खुद को सुरक्षित महसूस कर सकती है।

मुंबई ने मुझे सिखाया काम के पीछे भागना कैसे है। चंडीगढ़ ने मुझे सिखाया कि रुकना क्यों नहीं। और 1500 किलोमीटर दूर से भी, मैं अब भी अपने दिमाग में वही 'गेड़ी' लगा रहा हूं रॉक गार्डन से सुखना, सेक्टर 17 से पंजाब यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट सेंटर। क्योंकि कुछ शहरों में आप रहते हैं। और कुछ शहर आपमें बस जाते हैं। चंडीगढ़ उन्हीं में से एक है। मुंबई में रहते हुए भी।

चंडीगढ़ मूल के लेखक, मुंबई में विज्ञापन-मीडिया से जुड़े हैं।

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

मुकुल व्यास

शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोना वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोना वायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने-पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर-एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। नि:संदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-कोव-2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार-बार अपडेट करना पड़ता है। कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया।

दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन-लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते-जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है।

वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स-कोव-2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड-19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है।

टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3-20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स-कोव-2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स-कोव-2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई। दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं। असल में सिर्फ वायरस ही साउंड वेव की एनर्जी पर रिस्पॉन्ड करता है, मेजबान कोशिकाओं पर नहीं। टेस्ट की गई कंडीशन में वायरस के कण आसपास की कोशिकाओं की तुलना में कहीं ज्यादा कमजोर दिखे। टीम को उम्मीद है कि उनका नया तरीका दूसरे वायरल इन्फेक्शन पर भी काम करेगा, और उन्होंने पहले ही यह जांच शुरू कर दी है कि डेंगू, ज़ीका और चिकनगुनिया को उसी तरह कैसे टारगेट किया जा सकता है।

अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना बाकी है। यह स्टडी जानवरों या इंसानों पर किसी प्रयोग के बजाय लैब टेस्ट तक सीमित थी और सिर्फ दो अलग-अलग तरह के वायरसों पर की गई थी। यह महज एक शुरुआत है लेकिन इस टेक्नोलॉजी ने खतरनाक वायरसों से निपटने का एक बिल्कुल नया तरीका पेश किया है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

पेट भरा-नीयत कंगाल, चोरी जन्मसिद्ध अधिकार

हमारे देश में चोरी कोई ग्लानि बोध का विषय नहीं है बल्कि यह एक किस्म की महारत है, कला है, प्रविधि है। जो जितनी सफाई और कलात्मक तरीके से चोरी करके न पकड़ा जाये वो उतना बड़ा कलावंत। चोरी को लेकर हमारा कॉन्सेप्ट बहुत पुरातनपंथी है। चोरी कोई अपराध नहीं है बल्कि चौंसठ कलाओं में से एक कला है। यह माखन चोरी का युग नहीं है, यह आस्था और श्रद्धा चोरी का युग है।

छोटी-मोटी चोरियां तो हम आए दिन करते रहते हैं और उसका कोई बुरा भी नहीं मानते। टोल टैक्स की चोरी को तो वीआईपी ट्रीटमेंट माना जाता है समाज में। बड़े नेता से लेकर उसके कारिंदे तक और आला अधिकारियों से लेकर छुटभैया पुलिस वाले तक टोल टैक्स को धता बताते हुए गर्व से निकलते हैं। टोल टैक्स की गाज गिरती है तो आम आदमी पर। बैंक से उठाये गए लोन की चोरी तो हमारा शाश्वत अधिकार है। बैंक और सरकारी ऋण होता ही इस पुनीत कार्य के लिए है।

बड़े-बड़े उद्योगपति इस चोरी को ठाठ से विदेशों में मौज मार रहे हैं। सरकार ससम्मान उनके एनपीएस को वे ऑफ कर देती हैं। बचा हुआ महंगाई के बोझ कराहती हुई जनता उठाती रहती है। जनता होती ही बोझ उठाने के लिए है और चुनो हमको। हम तो ठहरे अमरबेल और हमें चाहिए पोषण। पोषण जिससे होगा शोषण भी उसी का होगा। जनता का धन जनप्रतिनिधियों को अर्पित। बिजली चोरी हमारा नैतिक अधिकार है। कौन नहीं है इस हमाम में नंगा नहीं है।

छोटे किसान से लेकर बड़े व्यवसायी भी। गांवों में बिजली चोरी फैशन है और शहर में बिजली चोरी कला और तकनीक का सम्मिश्रण। उद्योगपति बिजली चोरी को अपराध नहीं कर्तव्य मानता है और झुग्गी-झोपड़ी वाला मजबूरी। सरकार अभियान चलाती रहती है और बिजली चोरी होती रहती है। हमारे देश में चोरी कोई ग्लानि बोध का विषय नहीं है बल्कि यह एक किस्म की महारत है, कला है, प्रविधि है। जो जितनी सफाई और कलात्मक तरीके से चोरी करके न पकड़ा जाये वो उतना बड़ा कलावंत।

किताबों की चोरी, चोरी नहीं होती। हम कंटेंट की चोरी कर सकते हैं, आइडिये चुरा सकते हैं, कविताएं चुरा सकते हैं, एमएलए चुरा सकते हैं, वार्ड पार्षद चुरा सकते हैं लेकिन किताबें भला क्यों चुराएंगे? रील और मीम्स के युग में उनका भला क्या काम? पिछले दिनों एक अखबार ने बताया कि हज़ारों चद्दरें और तकिये हर साल ट्रेन के एसी कोच से चोरी होते हैं तो इसे कहते हैं समृद्ध चोरी। पेट भरा है तो क्या नीयत तो कंगाल है।

समय की चोरी और कामचोरी तो हमारा राष्ट्रीय शग़ल है। उसके बिना तो हमारा भोजन ही हज़्म नहीं होता। बल्कि कामचोरी को तो हम अपना आदर्श और योग्यता मानते हैं जो जितना बड़ा कामचोर वो उतना बड़ा अधिकारी।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

प्रमुख खबरें

शनिचरी बाजार स्थित श्री लांगुर वीर मंदिर में हुआ कलश एवं ध्वजारोहण

दुर्ग। शहर के ऐतिहासिक शनिचरी बाजार स्थित लांगुर वीर मंदिर में गुरुवार को श्रद्धा, आस्था एवं धार्मिक उल्लास के वातावरण में मंदिर शिखर पर विधि-विधान के साथ कलश एवं ध्वजारोहण का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार शामिल हुईं और भगवान के दर्शन कर नगर एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजन के उपरांत मंदिर शिखर पर विधिवत कलश स्थापना एवं ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के साथ ही पूरा मंदिर परिसर जयकारों, भक्ति गीतों और श्रद्धालुओं की आस्था से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और इसे संजोकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मंदिर समिति के सदस्य, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकास कार्यों के लिए 44.99 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में 06 विकास कार्यों के लिए कुल 44 लाख 98 हजार 929 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। अहिवारा क्षेत्र विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहिवारा विधानसभा के धमधा विकासखंड के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत ग्राम पंचायत गोढ़ी में तीन डोमशेड निर्माण कार्यों हेतु प्रत्येक कार्य के लिए 4 लाख 99 हजार 643 रूपए के मान से कुल 14 लाख 98 हजार 929 रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार ग्राम परसदा, ग्राम पोटिया तथा ग्राम अछोटी में सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु प्रत्येक कार्य के लिए 10-10 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिले में अब तक 293.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 16 जुलाई 2026 तक 293.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 412.1 मिमी तहसील बोरी में तथा न्यूनतम 202.0 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 320.4 मिमी, तहसील पाटन में 310.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 265.7 मिमी और तहसील अहिवारा में 252.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

निगम आयुक्त ने किया विभिन्न जोनों का निरीक्षण, मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर में नागरिक सुविधाओं की गुणवत्ता का जायजा लेने के उद्देश्य से जोन-05 सेक्टर-06, जोन-03 मदर टेरेसा नगर तथा जोन-02 वैशाली नगर क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था, उद्यानों तथा बायोरेमेडिएशन कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने श्रीराम चौक की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने वार्ड क्रमांक 69 हुडको स्थित शहीद स्मारक गार्डन का निरीक्षण कर उद्यान की साफ-सफाई, हरियाली और आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 67 में निरीक्षण कर नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पानी की

गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर जल गुणवत्ता परीक्षण कराने और व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात उन्होंने जोन-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 36 टाटा लाइन गार्डन का निरीक्षण कर उद्यान की साफ-सफाई एवं रखरखाव की समीक्षा की। वहीं वार्ड क्रमांक 28 में पेयजल की शुद्धता की जांच की गई। निरीक्षण के अंतिम चरण में आयुक्त ने जामुल स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में बायोरेमेडिएशन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, अपनाई जा रही तकनीकी प्रक्रिया तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप कार्य संचालन की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जोन आयुक्त अजय गौर, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, नितेश मेश्राम, श्वेता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अतुल यादव, बीरेन्द्र बंजारे सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक, स्ट्रीट लाइट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और पौधारोपण पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह द्वारा निगम सभागार कक्ष में अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली गई। इस बैठक में शहर की बुनियादी सुविधाओं, पर्यावरण संरक्षण और जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निराकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई एवं अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए।

शहर की प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए आयुक्त ने निर्देशित किया है कि स्ट्रीट लाइट मरम्मत के आगामी टेंडर (निविदाएं) अब सीधे जोन स्तर से किए जाएं, ताकि कार्य में सुगमता के साथ शिकायतों का स्थानीय स्तर पर तेजी से निपटारा हो सके।

गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए शहर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) के कार्यों को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्य से आने वाले समय में पेयजल की समस्या नहीं होगी। निगम आयुक्त सभी शहर वासियों से आग्रह किए हैं कि सभी अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण करें, जिससे संपूर्ण शहर में जल स्तर सही हो सके।

भिलाई को हरा-भरा बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण (प्लांटेशन) करने और पौधों को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा उपायों (ट्री-गार्ड आदि) पर विशेष चर्चा की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का समय सीमा के भीतर व गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही, निगम के बकाया बिजली बिलों के भुगतान और बिजली खपत को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा हुई। शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए निगम के सभी विभागों को शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना और पर्यावरण का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का समय सीमा में पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें।

बैठक में मुख्य रूप से अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, ऐशा लहरे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल संजय वर्मा, अरविन्द शर्मा, अनिल सिंह, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविदा पदों पर भर्ती हेतु आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 18 प्रकार के विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों में सायकोलॉजिस्ट, प्रोग्राम एसोसिएट, सोशल वर्कर, एसटीएस, लैब सुपरवाइजर, नर्सिंग ऑफिसर एवं स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, अकाउंटेंट, टीबीएचवी, डेंटल असिस्टेंट, एमपीडब्ल्यू (पुरुष), ऑप्थेल्मिक असिस्टेंट, जूनियर सेक्रेट्रियल असिस्टेंट, एएनएम, क्लास-4, वार्ड असिस्टेंट एवं अटेंडेंट, सपोर्ट स्टाफ (मेंटल हेल्थ यूनिट), स्वीपर, हाउसकीपिंग स्टाफ तथा सिक्योरिटी गार्ड के पद शामिल हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में 31 जुलाई 2026 तक सायं 5:30 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल दुर्ग जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.durg.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

मृतक के परिजनों को मिली 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 04-04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जोरातराई तहसील दुर्ग निवासी स्व. शंकर तांडी की 08 अप्रैल 2025 को ग्राम जोरातराई नहर के पानी में डूबने से मृत्यु हुई थी।

इसी प्रकार तहसील भिलाई-03 के अंतर्गत कुम्हारी निवासी स्व. होमदास उर्फ अनिल कुमार वैष्णव, स्व. लक्ष्मी वैष्णव, स्व. चांदनी वैष्णव तथा स्व. गोपिका वैष्णव की 12 मई 2026 को अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से उसके फटने से आग में जलने के कारण मृत्यु हुई थी।

कलेक्टर द्वारा शासन के

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. शंकर तांडी की पत्नी बिलासो तांडी को 4 लाख रुपए, तथा गैस सिलेंडर फटने की दुर्घटना में मृत स्व. होमदास उर्फअनिल कुमार वैष्णव की पत्नी उनके तीन बच्चों (स्व. लक्ष्मी, स्व. चांदनी व स्व. गोपिका) की मृत्यु पर उनकी माता गिरीजा वैष्णव व आवेदिका दुर्गा उर्फ भारती पति नंदकिशोर को नियमानुसार क्रमशः 4-4 लाख रुपए (कुल स्वीकृत राशि 16 लाख रुपए) की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 बनी अभिषेक चतुर्वेदी के परिवार के लिए उम्मीद की किरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बन चुकी है। दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम ओरी निवासी अभिषेक चतुर्वेदी की कहानी इस व्यवस्था की सफलता का प्रेरणादायक उदाहरण है।

अभिषेक चतुर्वेदी अपनी पत्नी शीतल चतुर्वेदी का राशन कार्ड बनवाने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। उन्होंने संबंधित विभाग में आवश्यक आवेदन भी प्रस्तुत किया, लेकिन विभिन्न कारणों से उनका राशन कार्ड जारी नहीं हो पा रहा था। इसके चलते परिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित राशन कार्ड से मिलने वाली अन्य शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। जब लंबे समय तक समस्या का समाधान नहीं हुआ, तब अभिषेक चतुर्वेदी ने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कुछ ही दिनों में आवेदन स्वीकृत किया गया और शीतल चतुर्वेदी के नाम से राशन कार्ड जारी कर उन्हें उपलब्ध करा दिया गया।

राशन कार्ड प्राप्त होने के बाद अभिषेक चतुर्वेदी और उनके परिवार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी समस्या का इतनी जल्दी समाधान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई हुई और उन्हें बिना किसी परेशानी के राहत मिली। अभिषेक चतुर्वेदी एवं उनकी पत्नी शीतल चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा दुर्ग जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों के लिए वास्तव में उम्मीद की किरण है, जो लोगों की समस्याओं का प्रभावी और त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है।

आकाशगंगा मंडी में सड़क बाधा एवं बिना अनुज्ञप्ति व्यवसाय पर निगम की कार्रवाई, 1900 रुपये का जुर्माना

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त सुरूचि सिंह एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-17 स्थित आकाशगंगा मंडी क्षेत्र में सड़क बाधा एवं बिना अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) व्यवसाय संचालित करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर चलानी कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ व्यापारियों द्वारा अपनी दुकानों के सामने सड़क पर सामग्री एवं वाहन खड़े कर आवागमन में बाधा उत्पन्न की जा रही थी। निगम की टीम ने संबंधित व्यापारियों को भविष्य में सड़क पर ट्रक एवं अन्य सामग्री खड़ी नहीं करने तथा यातायात बाधित न करने की समझाइश दी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सड़क बाधा शुल्क एवं बिना अनुज्ञप्ति व्यवसाय के मामले में कुल 1900 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान राधेलाल चौहान, मनोज

सोनकर, राजा गुप्ता (सब्जी एजेंट), राजकुमार गुप्ता एवं फरबन आलम (कपड़ा ठेला) पर सड़क बाधा के लिए 100-100 रुपये, रामचन्द्र (प्याज विक्रेता) एवं कांडेवाला (प्याज विक्रेता) पर 200-200 रुपये तथा धनेश कुमार साहू की मोबाइल शॉप पर बिना अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) व्यवसाय संचालित करने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

नगर निगम ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों एवं मार्गों पर अतिक्रमण या बाधा उत्पन्न न करें तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त कर ही व्यवसाय संचालित करें। निगम द्वारा शहर में सड़क बाधा, अतिक्रमण एवं नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

बीएसपी एवं अडाणी टोटल गैस के बीच हुआ एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) एवं अडाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के मध्य भिलाई इस्पात संयंत्र तथा टाउनशिप में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति के लिए दिनांक 16 जुलाई 2026 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा संयंत्र की ऊर्जा दक्षता में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैन एवं बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अडाणी टोटल गैस लिमिटेड की ओर से नविंदरजीत सिंह बेदी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बी. के. बेहरा ने समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) पी. के. सरकार, कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार सहित संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग का विस्तार करने, वर्तमान में प्रयुक्त प्रोपेन एवं एलपीजी के स्थान पर तकनीकी रूप से व्यवहार्य क्षेत्रों में पीएनजी अपनाने की संभावनाओं तथा दोनों संगठनों के मध्य ऊर्जा क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर उप प्रबंधक (जनसंपर्क) शालिनी चौरसिया द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र का विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने कहा कि यह साझेदारी दोनों संस्थानों के लिए दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगी तथा स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता एवं सतत विकास के लक्ष्यों को भी नई गति प्रदान करेगी।

यह समझौता भिलाई इस्पात संयंत्र एवं उसकी टाउनशिप में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की उपलब्धता एवं उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा, ऊर्जा प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित औद्योगिक विकास के राष्ट्रीय उद्देश्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

रायपुर में रथयात्रा की धूम, सीएम साय व राज्यपाल डेका ने निभाई छेरा पहरा की रस्म

राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जगन्नाथ की रथयात्रा में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए। दोनों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पारंपरिक 'छेरा-पहरा' की रस्म निभाते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधि-विधान के साथ मंदिर से रथ तक लाया गया और रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर राज्यपाल श्रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, लोकपरंपरा और जन-जन की आस्था का महापर्व है। यह उत्सव समाज को सेवा, समर्पण, समानता और लोककल्याण का संदेश देता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ किसानों के आराध्य और अन्नदाता के रक्षक माने जाते हैं। उनकी कृपा से समय पर वर्षा होती है, खेतों में हरियाली आती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि

का आगमन होता है। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना की कि इस वर्ष प्रदेश में भरपूर वर्षा हो, कृषि समृद्ध हो, किसानों की मेहनत सफल हो और छत्तीसगढ़ निरंतर विकास एवं खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में बढ़ती ने चेतना

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का दिव्य आशीर्वाद समस्त प्रदेशवासियों पर बना रहे तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का संचार हो। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से हमारे समाज में सद्भाव, एकता और सामूहिक चेतना को भी नई ऊर्जा मिलती हैं। उल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष पुरी की विश्वविख्यात रथयात्रा की तर्ज पर यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होता है। छेरा-पहरा की परंपरा इस बात का प्रतीक है कि भगवान के समक्ष सभी समान हैं और सेवा ही सर्वोच्च धर्म है।

छत्तीसगढ़ में भगवान श्री जगन्नाथ के प्रति विशेष श्रद्धा और आस्था

उल्लेखनीय है कि ओडिशा का पड़ोसी राज्य होने के कारण छत्तीसगढ़ में भगवान श्री जगन्नाथ के प्रति विशेष श्रद्धा और आस्था रही है। प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में रथयात्रा का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जाता है। उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की सांस्कृतिक परंपराओं के बीच यह पर्व एक सशक्त सेतु का कार्य करता है। प्रदेश में रथयायात्रा के बाद 9 दिनों तक गुंडिचा मंदिर में आस्था के अलौकिक दर्शन होते हैं। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विभिन्न निगम-मंडलों एवं आयोगों के अध्यक्षगण, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खास-खबर

बलौदाबाजार में समूह की 40 महिलाओं को मिला धान और पैरा आर्ट का प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ (धान का कटोरा) में धान की कटाई के बाद बचने वाले श्पैराश् (पराली/पुआल) से बनाई जाने वाली खूबसूरत हस्तकला को पैरा आर्ट कहते हैं। इसके जरिए वेस्ट पैरा का उपयोग कर महापुरुषों और देवी-देवताओं के 3ष्ठ पोर्ट्रेट और चित्र बनाए जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह ग्रामीण आय का भी एक बड़ा साधन बन रहा है। पैरा आर्ट बेहद दिलचस्प कला है, जिसमें धैर्य, कल्पनाशक्ति और बारीकी की समझ जरूरी है. धीरे-धीरे इस कला का क्रेज लोगों के बीच बढ़ता जा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बलौदाबाजार के अंतर्गत ग्राम लाहौद में स्व-सहायता समूह की 40 महिलाओं को धान एवं पैरा (पुआल) आर्ट का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

स्मार्ट मीटर से नहीं बढ़ता बिजली बिल

रायपुर। स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शंकाओं को दूर करने के लिए विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्मार्ट मीटर बिजली का बिल नहीं बढ़ाता, बल्कि केवल वास्तविक खपत के आधार पर सटीक बिल तैयार करता है। विभाग का कहना है कि यदि किसी उपभोक्ता का बिल बढ़ा है तो उसका प्रमुख कारण बिजली की अधिक खपत और उच्च टैरिफस्लैब में पहुंचना है, न कि स्मार्ट मीटर। स्मार्ट मीटर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह उपभोक्ता को वास्तविक समय में बिजली खपत की जानकारी उपलब्ध कराता है। मोर बिजली ऐप के माध्यम से उपभोक्ता हर आधे घंटे की बिजली खपत देख सकते हैं। इससे यह समझना आसान हो जाता है कि कौन-से विद्युत उपकरण सबसे अधिक बिजली खर्च कर रहे हैं और किन उपायों से खपत कम की जा सकती है।

विद्यालय में अनुशासनहीनता पर दो प्रयोगशाला सहायक निलंबित

बलरामपुर। जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर में विद्यालयीन समय के दौरान प्रभारी प्राचार्य एवं एक व्याख्याता के साथ अभद्र व्यवहार के मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो प्रयोगशाला सहायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, वाड्रफनगर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन 15 जुलाई 2026 को विषय कालखंड की समय-सारणी को लेकर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री अनन्त कुमार यादव तथा व्याख्याता इजहारूल हक अंसारी के साथ अयोध्या प्रसाद यादव एवं विजय कुमार यादव, प्रयोगशाला सहायक के द्वारा अभद्र व्यवहार की पुष्टि हुई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार इस घटना से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। अध्यापन कार्य बाधित होने के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों के बीच अनुशासन और शिक्षकीय आचरण को लेकर प्रतिकूल संदेश गया।

जोखिम आधारित बिजनेस परमिशन व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ विधानसभा से पारित हुआ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने उद्योग और कारोबार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने गुरूवार को 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026' पारित कर दिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए जोखिम आधारित (रिस्क बेस्ड) एवं विश्वास आधारित (ट्रस्ट बेस्ड) बिजनेस परमिशन सिस्टम लागू होगा।

इस विधेयक का उद्देश्य उद्योगों एवं कारोबार की स्थापना और संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक अनुपालनों को कम करना तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है। विधेयक के तहत उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण उनके आकार और गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में किया जाएगा। कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी मिलेगी, जबकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं के लिए

आवश्यक तकनीकी परीक्षण और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इससे छोटे कारोबारियों को बड़े उद्योगों जैसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।

नई व्यवस्था में पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की मिलेगी सुविधा

नई व्यवस्था के अंतर्गत कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार होने वाले विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा लाइसेंसधारी अभियंता, आर्किटेक्ट या अन्य अधिकृत पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अनुमतियों की प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक जवाबदेह बनेगी।

हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त

विधेयक के तहत हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली लागू की जाएगी। इससे उद्यमियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और वे अपने कारोबार के विस्तार एवं संचालन पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। एमएसएमई इकाइयों के लिए जल प्रदाय संबंधी अनुमति स्व-घोषणा के आधार पर, सोसायटी अथवा फर्म का पंजीयन समयबद्ध प्रक्रिया से तथा भवन अनुज्ञा सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा अधिकृत विशेषज्ञ के प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रदान की जा सकेगी। निर्धारित समय-सीमा में संबंधित विभाग द्वारा निर्णय नहीं लेने की स्थिति में पात्र मामलों में अनुमति स्वत: स्वीकृत मानी जाएगी। हालांकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं भौतिक निरीक्षण की व्यवस्था यथावत लागू रहेगी। विधेयक के अंतर्गत शासन के 8 विभागों से दी जाने वाली 43 सेवाओं को जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली के दायरे में शामिल किया गया है।

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था बनाई गई है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति तथा जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति इसके क्रियान्वयन और अनुश्रवण की जिम्मेदारी निभाएगी। दोनों समितियां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद के मार्गदर्शन में कार्य करेंगी। इस सुधार से राज्य के 15 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। सरकार का मानना है कि भरोसे, स्व-घोषणा और समयबद्ध सेवाओं पर आधारित यह व्यवस्था कारोबार शुरू करने और संचालित करने में लगने वाले समय एवं लागत को कम करेगी, जबकि अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी और परीक्षण की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026' राज्य में पारदर्शी, सरल, पूर्वानुमेय और निवेश-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग दिवस पर होगी ऑनलाइन कार्यशाला

रायपुर। राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग दिवस (12 अगस्त) के अवसर पर इंडिया स्पेस लैब द्वारा रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े हितधारकों के बीच भू-स्थानिक (जियोस्पेशियल) प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा प्रबंधन में इसके प्रभावी उपयोग की जानकारी प्रदान करना है। कार्यशाला में रिमोट सेंसिंग, जियोग्राफिक्र इन्फॉर्मेशन सिस्टम , अर्थ ऑब्जर्वेशन टेक्नोलॉजी, जियो-एआई, ड्रोन मैपिंग, मशीन लर्निंग आधारित अनुप्रयोगों तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े वास्तविक केस स्टडी पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। कार्यशाला के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। सफलतापूर्वक कार्यशाला पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों, राज्य एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, शासकीय विभागों, स्वायत्त संस्थाओं, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थानों से कार्यशाला की जानकारी व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का अनुरोध किया है। साथ ही इस सूचना को विभागीय वेबसाइटों, पोर्टलों, सूचना पट्टों, समाचार पत्रिकाओं के माध्यम से अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई है।

विलंबित मानसून के बीच धान किसानों के लिए आईसीएआर-एनआईबीएसएम की विशेष सलाह

कम अवधि वाली किस्मों और वैकल्पिक फसलों पर दें ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून में देरी और छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में वर्षा की अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर ने प्रदेश के धान किसानों के लिए विशेष कृषि परामर्श जारी किया है। संस्थान ने किसानों से खरीफ मौसम में फसल की सफल स्थापना और संभावित उपज हानि को कम करने के लिए मौसम की स्थिति के अनुरूप समय पर वैज्ञानिक एवं आकस्मिक कृषि उपाय अपनाने की अपील की है।

संस्थान के अनुसार, पर्याप्त वर्षा होते ही किसान स्वस्थ 20-25 दिन पुराने पौधों से अनुशंसित दूरी पर धान की रोपाई शीघ्र पूरी करें। रोपाई में अधिक देरी होने की स्थिति में कम से मध्यम अवधि में पकने वाली धान की किस्मों को प्राथमिकता दी जाए। जहां रोपाई संभव न हो, वहां अंकुरित बीजों से ड्रम सीडर अथवा छिड़काव विधि द्वारा धान की सीधी बुवाई भी अपनाई जा सकती है।

संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने कहा कि बदलती जलवायु और अनिश्चित

वर्षा की परिस्थितियों में समय पर वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तथा आकस्मिक योजना अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि सलाह के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि विशेषज्ञों के नियमित संपर्क में रहने का आग्रह किया।

संस्थान ने संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर जोर देते हुए फास्फोरस और पोटाश की अनुशंसित मात्रा आधार खाद के रूप में देने तथा नत्रजन उर्वरक का प्रयोग फसल की आवश्यकता के अनुसार विभाजित मात्रा में करने की सलाह दी है। भारी वर्षा की संभावना से ठीक पहले यूरिया का प्रयोग नहीं करने को कहा गया है, ताकि पोषक तत्वों की हानि को कम किया जा सके।

किसानों को समय पर खरपतवार नियंत्रण, खेत में उचित नमी बनाए रखने और जलभराव की स्थिति में प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही तना छेदक, पत्ती लपेटक जैसे प्रमुख कीटों तथा ब्लास्ट और जीवाणुजनित पत्ती झुलसा जैसे रोगों की नियमित निगरानी करने और आवश्यकता के अनुसार वैज्ञानिक अनुशंसाओं पर आधारित पौध संरक्षण उपाय अपनाने को कहा गया है।

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने कहा कि विलंबित मानसून की स्थिति में फसल की प्रारंभिक अवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। किसानों को खेत संबंधी कार्यों में अनावश्यक देरी से बचते हुए संतुलित पोषण, प्रभावी खरपतवार नियंत्रण और कीट-रोगों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए।

मरवाही के किसान की मांग का हुआ समयबद्ध निराकरण आधुनिक कृषि यंत्रीकरण से खेती किसानी होगी आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित किए गए सुशासन तिहार-2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शासन की मंशा के अनुरूप जिले में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है, जिससे पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ शीघ्र पहुंच रहा है। इसी कड़ी में मरवाही विकासखंड के ग्राम उषाड़ निवासी कृषक विनय अभिषेक सिंह की मांग पर कृषि विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें शासन की योजना के अंतर्गत अनुदान पर धान की रोपाई के लिए आधुनिक रोपा लगाने की मशीन उपलब्ध कराई है।

विनय अभिषेक सिंह ने सुशासन तिहार के जिला स्तरीय समाधान शिविर में आवेदन प्रस्तुत कर धान की रोपाई को अधिक सरल, तेज, कम श्रमसाध्य और कम लागत वाला बनाने के लिए आधुनिक रोपा लगाने की मशीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की कार्यशैली के अनुरूप आवेदन प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ की। विभाग ने सीएचएएमपीएस प्रणाली के माध्यम से किसान का पंजीयन कर पात्रता के अनुसार अनुदान स्वीकृत कराया और शीघ्र ही उन्हें आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध करा दिया।

कृषक विनय अभिषेक सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक रोपा लगाने की मशीन मिलने से धान की रोपाई कम समय में अधिक दक्षता और बेहतर

गुणवत्ता के साथ हो सकेगी। इससे मजदूरी पर होने वाला खर्च कम होगा, समय की बचत होगी तथा खेती अधिक वैज्ञानिक और लाभकारी बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समय पर रोपाई होने से फसल का उत्पादन भी बढ़ेगा, जिससे उनकी आय में सकारात्मक वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उप संचालक कृषि सत्यजीत कंवर ने बताया कि राज्य शासन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और यंत्रीकरण से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि खेती को अधिक उत्पादक, सुविधाजनक और लाभकारी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर किसानों सहित सभी पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्री एटीएम को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वन विभाग की पहल से नि:शुल्क पौधों का वितरण, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आमतौर पर एटीएम का नाम सुनते ही लोगों के मन में पैसे निकालने वाली मशीन की तस्वीर उभरती है, लेकिन जशपुर वन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए 'ट्री एटीएम' की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बगिया हेलीपैड परिसर में इस अनूठे मोबाइल ट्री एटीएम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल आम नागरिकों तक पौधों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर स्वयं ट्री एटीएम से आंवला का पौधा प्राप्त किया तथा उपस्थित लोगों को भी पौधों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि

यह मोबाइल ट्री एटीएम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को नि:शुल्क पौधे उपलब्ध कराएगा। इससे अधिक से अधिक लोग पौधरोपण से जुड़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को नया विस्तार मिलेगा।

सीएम साय ने की वन विभाग के पहल की सराहना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर वन विभाग की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि 'ट्री एटीएम' लोगों को सहज और सरल तरीके से पौधे उपलब्ध कराने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्षा ऋतु पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। ऐसे समय में यह पहल लोगों को विभिन्न प्रजातियों के पौधे आसानी से उपलब्ध कराएगी, जिससे व्यापक स्तर पर पौधरोपण को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई मजबूती मिलेगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से नई चेतना का संचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान ने पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना का संचार किया है। इसी अभियान से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में भी व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

आज का पौधा आने वाली पीढ़ियों को देगा छांव

उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान के अंतर्गत प्रारंभ किए गए ट्री एटीएम को 'आज का पौधा, आने वाली पीढ़ियों की छांव' के प्रेरक संदेश के साथ रवाना किया गया। इस अभिनव पहल के तहत केवल नि:शुल्क पौधों का वितरण ही नहीं किया जाएगा, बल्कि पौधा प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण की वैज्ञानिक एवं सही विधि, नियमित देखभाल, संरक्षण तथा पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने के उपायों की भी जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और जीवित रहने की दर को बढ़ाना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान दीर्घकालिक और प्रभावी बन सके।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

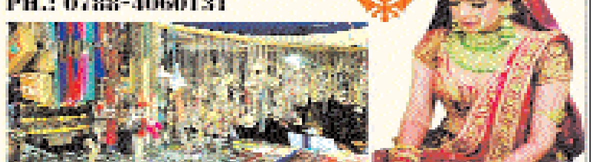

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

विक्रांत मैसी की सादगी पर फिदा हुईं महिमा मकवाना, बोलीं-आज भी हैं उतने ही दयालु....

अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री महिमा मकवाना जल्द ही आगामी फिल्म मुसाफिर कैफे में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा मकवाना ने अपने को-स्टार की तारीफ करते हुए बताया कि करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद विक्रांत वही इंसान हैं जिन्हें वह सालों पहले जानती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि विक्रांत के साथ उनकी पहली मुलाकात टीवी सीरियल बालिका वधू के सेट पर हुई थी, जब वह महज 10 साल की थीं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा, इतने वर्षों के बाद भी विक्रांत में कोई बदलाव नहीं आया।

वे सबसे दयालु, मेहनती और सच्चे इंसान है। ये खूबियां उनके काम में दिखती हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि मुसाफिर कैफे में विक्रांत मैसी के साथ दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वहीं, विक्रांत ने भी महिमा मकवाना के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया।

महिमा मकवाना ने टेलीविजन शो बालिका वधू में युवा गौरी सिंह का रोल किया था। उनके कैरेक्टर को एक छोटे से कैमियो के जरिए इंट्रोड्यूस किया गया था, जिसमें एक युवा लड़की थी जो जग्या (अविनाश मुखर्जी) से शादी करने वाली थी, उस समय जब आनंदी मेंटल हेल्थ की दिक्कतों से जूझ रही थी।

दूसरी तरफ, विक्रांत मैसी ने पॉपुलर हिंदी टेलीविजन सीरीज बालिका वधू में श्याम मदन सिंह का किरदार निभाया था। वह 2009 से 2010 तक इस शो से जुड़े रहे, जो टेलीविजन पर उनके शुरुआती शो में से एक था।

मुसाफिर कैफे रुचिर अरुण द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार और रिश्तों के उलझाव पर आधारित है। इसमें एक सफर के दौरान होने वाले प्यार और यादों की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म हिंदी साहित्यकार दिव्या प्रकाश दुबे द्वारा लिखा गया एक बेहद लोकप्रिय और भावनात्मक उपन्यास है।

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना अभिनीत फिल्म मुसाफिर कैफे 24 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'?

बॉलीवुड अभिनेत्री नैना ग्रेवाल फिल्म 'राका' में नजर आने वाली हैं। उन्होंने निर्देशक एटली की तारीफ करते हुए बताया कि उन्हें यह फिल्म कैसे मिली है। फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।'

साउथ में डेब्यू कर रहीं नैना

नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की।

एटली ने बातचीत को बढ़ाया

उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

मौनी रॉय-अर्जुन बिजलानी की डेटिंग अफवाह पर क्रिस्टल डिसूजा का फूटा गुस्सा

'शरारत सॉन्ग' फेम एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने हाल ही में मौनी रॉय और अर्जुन बिजलानी के डेटिंग की अफवाह फैलाने वाले एक पैपराजी पेज को लताड़ा सोशल मीडिया पर लताड़ा है। पेज ने दोनों एक्टर्स का मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए वीडियो शेयर किया और गोला बनाते हुए इशारा किया कि सूरज नांबियार से तलाक के बाद वो दोनों रिलेशनशिप में हैं।

क्या तलाक के बाद मौनी रॉय, अर्जुन को डेट कर रही हैं?

वीडियो में मौनी रॉय अपनी दोस्त अनुषा दांडेकर के साथ रेस्टोरेंट से बाहर निकलती दिख रही थीं, जबकि अर्जुन बिजलानी उसके कुछ देर बाद बाहर निकले। हालांकि, पेज ने इस क्लिप पर टेक्स्ट लिखा, क्या सूरज से तलाक के बाद अर्जुन और मौनी रॉय गुपचुप तरीके से डेट कर रहे हैं?

बता दें कि ये पोस्ट क्रिस्टल डिसूजा को पसंद नहीं आया और उन्होंने कमेंट्स में पेज को खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने पेज पर अपना गुस्सा दिखाते हुए कमेंट किया, यह क्या बकवास है। सिर्फ व्यूज के लिए आप लोग कुछ भी पोस्ट कर देंगे।

मौनी ने पैपराजी से अपनी फोटो न लेने के लिए कहा था

बता दें कि ये अफवाह मौनी के पैपराजी से नाराजगी जाहिर करने के ठीक एक दिन बाद सामने आई है। एक्ट्रेस ने हाल ही में 14 जुलाई के एक वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें अनुषा के साथ बाहर निकलने के बाद कार में बैठने के बावजूद फोटोग्राफर उनकी तस्वीरें ले रहे थे। बाद में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिये इस घटना पर बात की, जिसे उन्होंने बाद में डिलीट कर दिया।

मौनी रॉय ने पैपराजी से की थी रिक्वेस्ट

अपनी उस डिलीट की गई पोस्ट में मौनी ने फोटोग्राफर्स से रिक्वेस्ट करते हुए दिख रहीं थीं कि वे उनके पब्लिक अपीयरेंस को कवर करना पूरी तरह बंद कर दें।

उन्होंने कहा था, प्लीज़, मेरी तस्वीरें कभी न लें। मैंने काफी समय से आप लोगों को नहीं बुलाया है। मैं आपसे प्यार और सम्मान का वादा करती हूं, लेकिन आपको बुलाऊंगी नहीं। प्लीज, कभी भी मेरे लिए न आएं। मैं आभारी रहूंगी। इसलिए अगली बार अगर कोई मुझे तस्वीरें लेते हुए देखे, तो समझ लें कि मैंने उन्हें नहीं बुलाया है। मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि आप मेरी तस्वीरें लें। बस रुक जाइए, प्लीज। प्लीज। अब कभी नहीं। ढेर सारा प्यार और सम्मान।

मौनी रॉय और अर्जुन बिजलानी की दोस्ती

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मौनी रॉय और अर्जुन बिजलानी एक दूसरे को सालों से जानते हैं और उनकी दोस्ती सालों पुरानी है। वो पहली बार एकता कपूर के हिट सुपरनैचुरल ड्रामा 'नागिन' में साथ काम करते हुए दोस्त बने थे और तब से करीबी बने हुए हैं। इतने सालों में, उन्होंने पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों तरह से एक-दूसरे का साथ दिया है, अक्सर साथ में खास मौकों का जश्न मनाया है और सोशल मीडिया पर बातचीत की है। फैंस हमेशा से उनकी दोस्ती की तारीफ करते रहे हैं और अर्जुन की पत्नी नेहा स्वामी के साथ भी मौनी के अच्छे रिश्ते हैं।

मौनी रॉय की प्रोफेशनल लाइफ

अगर नागिन एक्ट्रेस मौनी रॉय के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो हाल ही में संजय कपूर, शहीर शेख, निमरत कौर अहलूवालिया और अविनाश मिश्रा के साथ वेब सीरीज 'अब होगा हिसाब' में नजर आई थीं। इसके अलावा वो वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में उनकी नकली मां के किरदार में नजर आईं थीं। इसके बाद वो फिल्ममेकर मधुर भंडारकर की फिल्म 'द वाइव्स' में अहम् किरदार में दिखाई देंगी।

बॉलीवुड के बाद अब पंजाबी सिनेमा में एंट्री करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, सोनम बाजवा संग करेंगे रोमांस?

खबर है कि 'सेक्रेड गेम्स' एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी गिप्पी ग्रेवाल के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म से पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ सोनम बाजवा नजर आ सकती हैं।

बॉलीवुड फिल्मों पर अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अब हिंदी सिनेमा के बाद पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की ओर रुख कर रहे हैं। खबर है कि वो इस भाषा की एक फिल्म से डेब्यू करने वाले हैं और उनके अपोजिट एक दीवाने की दीवानीयत एक्ट्रेस सोनम बाजवा के नजर आने की चर्चा है।

इस प्रोजेक्ट को गिप्पी ग्रेवाल प्रोड्यूस कर रहे हैं। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब नवाजुद्दीन रीजनल सिनेमा में काम कर रहे हैं। वो पहले तेलुगु फिल्म 'सैंधव' और तमिल फिल्म 'पेट्टा' का हिस्सा रह चुके हैं, जिसमें उन्होंने रजनीकांत के साथ विलेन का रोल निभाया था। इसके बाद वो 2018 की फिल्म 'तुम्बाड' के सीक्वल 'तुम्बाड 2' में भी नजर आएंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का वर्कफ्रंट

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम हिंदी सिनेमा के उन कुछ चुनिंदा अभिनेताओं में शामिल हैं जिन्होंने अपनी दमदार अदाकारी के दम पर अलग पहचान बनाई। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'द लंचबॉक्स', 'बदलापुर', 'मांझी: द माउंटेन मैन', 'रईस', 'मंटो' और 'सेक्रेड गेम्स' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया। हाल ही में वो नेटफ्लिक्स की फिल्म 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' में नजर आए, जिसमें उनके अभिनय की एक बार फिर प्रशंसा हुई। आने वाले समय में नवाजुद्दीन 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट के साथ अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इसके अलावा उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'Blind Babu' और 'Pawan Putra Bhaijaan' जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

सोनम बाजवा का वर्कफ्रंट

वहीं, सोनम बाजवा ने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और इसके बाद 'पंजाब 1984', 'सरदार जी 2', 'सपा सिंह', 'कैरी ऑन जट्टा 2', 'अर्दब मुटियारण', 'मुकलावा', 'हौंसला रख', 'गोड्डे गोड्डे चा', और 'कुड़ी हरियाणे वाल दी', जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। अपनी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय के दम पर उन्होंने पंजाबी सिनेमा में खास पहचान बनाई। अब सोनम बॉलीवुड में भी लगातार सक्रिय हैं। हाल ही में वो 'हॉउसफुल 5', 'बागी 4', 'बॉर्डर 2' और 'एक दीवाने की दीवानीयत' जैसी बड़ी हिंदी फिल्मों में दिखाई दी थीं, जिससे उनका बॉलीवुड करियर भी नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।

क्या आपका गुस्सा आपको अस्वस्थ कर रहा है? जानें 5 संकेत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन जब यह अस्वस्थ रूप ले लेता है तो कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है और आपको मदद की जरूरत है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपनी स्थिति को सुधार सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

लगातार गुस्सा आना

अगर आपको बार-बार या लगातार गुस्सा आता है तो यह एक अहम संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है। इस स्थिति में आप छोटी-छोटी बातों पर भी ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगते हैं और इससे आपके रिश्ते पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें।

दूसरों पर चिल्लाना या अपशब्द कहना

अगर आप दूसरों पर चिल्लाते हैं या अपशब्द कहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है। इस तरह का व्यवहार न केवल आपके रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है बल्कि समाज में आपकी छवि भी खराब कर सकता है। अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए उपाय खोजने चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए।

खुद को नुकसान पहुंचाना

अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाते और खुद को नुकसान पहुंचाते हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है। इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। खुद को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को तुरंत पहचानना जरूरी है और इसके लिए आपको किसी पेशेवर मदद की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप सही दिशा में जा सकें और अपनी स्थिति को सुधार सकें।

नींद न आना या ज्यादा नींद आना

गुस्से के कारण नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आपको रात में सोने में दिक्कत होती है या जरूरत से ज्यादा नींद आती है तो यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इस स्थिति में आपको अपने दिनचर्या में बदलाव लाने की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें। सही समय पर मदद लेना भी जरूरी हो सकता है।

आत्म-सम्मान में कमी आना

अगर आपका आत्म-सम्मान कम होता जा रहा है और आप खुद को नीचा समझते हैं तो यह भी अस्वस्थ गुस्से का संकेत हो सकता है। इससे न केवल आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है बल्कि आपके रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

इस स्थिति में आपको अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझना होगा और उन्हें नियंत्रित करने के उपाय खोजने होंगे ताकि आप एक संतुलित जीवन जी सकें।

सुकमा से खेल प्रतिभा की नई उड़ान, शैली गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय मत्सोगी-डो चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने वाला सुकमा आज खेल, शिक्षा और युवा प्रतिभाओं के दम पर अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। जिले की होनहार खिलाड़ी शैली गुप्ता इस परिवर्तन की मिसाल बनी है, जिन्होंने नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 24 जून से 26 जून तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय मत्सोगी-डो चैंपियनशिप में 49 किलोग्राम सीनियर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत, छत्तीसगढ़ और सुकमा का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है।

नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए शैली ने फाइनल मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव और सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने शैली की इस शानदार सफलता पर उन्हें बधाई दी है। राज्य शासन द्वारा सुकमा में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर तथा सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद जिले के युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। शैली गुप्ता की उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, प्रशासनिक सहयोग और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय सफलता के बाद शैली गुप्ता ने अपने माता-पिता के साथ सुकमा के कलेक्टर श्री अमित कुमार से मुलाकात की। कलेक्टर ने उन्हें बधाई देते हुए उच्च शिक्षा में प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

शैली गुप्ता का स्वर्ण पदक केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बदलते हुए सुकमा की नई तस्वीर का प्रतीक है। यह सफलता जिले के युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देगी। शासन-प्रशासन द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता ने युवाओं में नया आत्मविश्वास जगाया है। राज्य शासन शिक्षा, खेल और युवा विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते हुए सुकमा सहित प्रदेशभर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार के इन कार्यों से बस्तर में विकास और उपलब्धियों को नई पहचान मिल रही है।

खास-खबर

सेवा सेतु पोर्टल के जरिए एक ही दिन में हुआ निराकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और सुलभ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम तेलावट निवासी बसंत कुमार साहू ने अपनी तीन वर्षीय बेटी गेश्रीका का नाम राशन कार्ड में जोड़ने के लिए सेवा सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन के अगले ही दिन उनकी बेटी का नाम राशन कार्ड में जोड़ दिया गया। राशन कार्ड की अद्यतन प्रति कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर ने आवेदक साहू को अपने हाथों से प्रदान किया। त्वरित कार्रवाई से प्रसन्न बसंत कुमार साहू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अब सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते। घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर कम समय में ही आवश्यक सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

सीएम साय ने दोकड़ा की ऐतिहासिक रथयात्रा में निभाई गजपति महाराजा की धार्मिक परंपरा

छेरा पहरा की पावन परंपरा का निर्वहन कर दिया सेवा, समर्पण और विनम्रता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरूवार को जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड स्थित ग्राम दोकड़ा में आयोजित ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ परंपरागत गजपति महाराजा की भूमिका का निर्वहन करते हुए भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने छेरा पहरा की पावन परंपरा का निर्वहन करते हुए सोने की झाड़ू से भगवान के रथ के आगे मार्ग का प्रतीकात्मक रूप से मार्जन किया तथा चंदन मिश्रित पवित्र जल का छिड़काव किया। इसके बाद उन्होंने हजारों श्रद्धालुओं के साथ भगवान श्री जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया। पूरे दोकड़ा क्षेत्र में जय जगन्नाथ के जयघोष, शंखध्वनि, भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

रथयात्रा आस्था, संस्कृति और सनातन परंपराओं का प्रतीक

इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि दोकड़ा की ऐतिहासिक रथयात्रा आस्था, संस्कृति और सनातन परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1942 से चली आ रही यह परंपरा आज भी जनआस्था को ऊर्जा देती है। मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद 2025 में प्राण-प्रतिष्ठा और दूसरी रथयात्रा आयोजित हो रही है। उन्होंने गजपति महाराजा की परंपरा निभाने का अवसर देने के लिए दोकड़ावासियों का आभार व्यक्त किया।

भगवान जगन्नाथ से छत्तीसगढ़ का पुराना संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्री जगन्नाथ से प्राचीन और आत्मीय संबंध रहा है। देवभोग का चावल आज भी पुरी के महाप्रसाद में उपयोग किया जाता है, जो इस सांस्कृतिक संबंध का जीवंत प्रमाण है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की गारंटी के अनुरूप प्रदेश में 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

ओडिशा की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने वातावरण को बनाया भक्तिमय

रथयात्रा के दौरान ओडिशा की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने भजन एवं संकीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ढोल, मृदंग, झांझ और शंखध्वनि के बीच श्रद्धालु भगवान के जयघोष लगाते हुए रथयात्रा में शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस आयोजन को आस्था और लोक संस्कृति के विराट उत्सव में बदल दिया। इस दौरान सीएम साय ने सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से चौबीसों घंटे नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर पद्मश्रीजागेश्वर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा सहित जगन्नाथ मंदिर आयोजन समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सिम्स में डॉक्टरों का कमाल, बच्चे के गले में फंसा सिक्का निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर के कान, नाक एवं गला (ईएनटी) विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए एक 6 वर्षीय मासूम की जान बचा ली है। बैगा जनजाति के इस बालक ने खेलते समय गलती से सिक्का निगल लिया था, जो उसकी आहार नली में फंस गया था। डॉक्टरों की टीम ने बेहद जटिल और आपातकालीन स्थिति में सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर सिक्के को बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार, बिलासपुर जिले के कोटा तहसील अंतर्गत ग्राम सरगोंड का निवासी 6 वर्षीय बालक नरेंद्र खेलते समय सुबह करीब 7 बजे अचानक सिक्का निगल गया। इसके तुरंत बाद उसे कुछ भी निगलने में अत्यधिक परेशानी होने लगी। परिजन आनन-फानन में उसे पेंड्रा के एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

बालक को शाम करीब 6.30 बजे सिम्स लाया गया, जिसके बाद अस्पताल का पूरा अमला सक्रिय हो गया। रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने तत्काल एक्स-रे कर अन्ननली के ऊपरी भाग में फंसे सिक्के की सटीक लोकेशन की पहचान की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति की टीम ने बच्चे को सामान्य एनेस्थीसिया दिया।

इसके बाद ईएनटी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. आरती पाण्डेय एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. श्वेता मित्तल के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने रिजिड इसोफैगोस्कोपी तकनीक के जरिए अत्यंत सावधानी से सिक्के को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पूरी प्रक्रिया बिना किसी जटिलता के संपन्न हुई और ऑपरेशन के बाद बालक की स्थिति पूरी तरह सामान्य और संतोषजनक है।

फेम ट्रिप के अंतर्गत टूर ऑपरेटर्स ने अम्बिकापुर के आतिथ्य और होटल सुविधाओं का लिया अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा सरगुजा संभाग के पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में आयोजित फेम ट्रिप से एक दिन पूर्व अम्बिकापुर में विशेष होटल भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमंत्रित टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स को सरगुजा में उपलब्ध उत्कृष्ट आवासीय सुविधाओं, आतिथ्य परंपरा तथा पर्यटन के अनुकूल अधोसंरचना से परिचित कराना था, ताकि वे भविष्य में अधिक से अधिक पर्यटकों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित कर सकें।

कार्यक्रम के अंतर्गत देश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स का होटल पर्पल आर्किड, अम्बिकापुर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तिलक लगाकर एवं स्वागत पेय के माध्यम से आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात अतिथियों को होटल की आधुनिक आवासीय व्यवस्था, स्वादिष्ट भोजन की सुविधाएं, बैंक्वेट हॉल तथा अन्य अतिथि सेवाओं का विस्तृत निरीक्षण कराया गया। होटल प्रबंधन ने अपने आतिथ्य और सेवाओं के माध्यम से सरगुजा की मेहमाननवाजी की समृद्ध परंपरा से सभी को परिचित कराया। इस दौरान सरगुजा संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों, जनजातीय संस्कृति तथा पर्यटन विकास की संभावनाओं पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई। टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स ने क्षेत्र में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाओं पर अपने सुझाव भी साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में सभी टूर ऑपरेटर्स एवं ट्रैवल एजेंट्स ने अम्बिकापुर के होटलों में उपलब्ध उत्कृष्ट सुविधाओं और आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि सरगुजा संभाग प्रकृति, संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम है तथा यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

मनरेगा का चेक डेम : 12.5 एकड़ खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई का पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। कभी बारिश का पानी बह जाने से गर्मी में जल संकट झेलने वाले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के भरतपुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत माड़ीसरई के किसानों के लिए अब हालात बदलने की उम्मीद जगी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत अंधेरगढ़ नाला पर निर्मित पक्का चेक डेम गांव में जल संरक्षण और सिंचाई का स्थायी आधार बनकर उभरा है। इससे लगभग 12.5 एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने की संभावना है।

ग्रामीणों के अनुसार पहले बरसात का अधिकांश पानी नाले के जरिए बह जाता था। इसके कारण गर्मी के दिनों में खेतों और पेयजल दोनों के लिए संकट पैदा हो जाता था। अब चेक डेम बनने से वर्षा जल का संचयन होगा और किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस परियोजना के निर्माण में 1,185 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ। इससे गांव के श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर काम मिला और रोजगार के लिए बाहर पलायन की जरूरत भी कम हुई। निर्माण कार्य में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली।

चेक डेम से केवल सिंचाई ही नहीं, बल्कि भूजल स्तर में सुधार की भी उम्मीद है। वर्षा जल के संरक्षण से आसपास के कुओं और हैंड पंपों में पानी की उपलब्धता बढ़ने के साथ मिट्टी के कटाव पर भी नियंत्रण मिलेगा। इससे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। ग्रामीण किसानों का कहना है कि अब वे केवल वर्षा आधारित खेती तक सीमित नहीं रहेंगे। सिंचाई सुविधा मिलने से धान के अलावा दलहन, तिलहन और अन्य फसलों की खेती का दायरा भी बढ़ सकेगा, जिससे कृषि उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि होने की संभावना है।

ग्रामीणों के अनुसार यह चेक डेम केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि गांव की कृषि व्यवस्था को स्थायी आधार देने वाली परिसंपत्ति है। इससे जल संरक्षण, रोजगार और खेतीकृतीनों क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिलने की उम्मीद है। माड़ीसरई का यह मॉडल इस बात का उदाहरण बन रहा है कि यदि मनरेगा जैसी योजनाओं के तहत टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण स्थानीय जरूरतों के अनुरूप किया जाए, तो ग्रामीण विकास, जल संरक्षण और किसानों की आर्थिक मजबूती जैसे कई लक्ष्य एक साथ हासिल किए जा सकते हैं।

नारायणपुर के दुर्गम क्षेत्र में आईटीबीपी ने ग्रामीणों के साथ मिलकर खड़ा किया 250 फीट लंबा पुल

शहीद अमोल माधव राव महस्के के नाम समर्पित होगा पुल, बारिश में जाटलूर नाला से मिलेगी मुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के अति-दुर्गम इलाके में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर के जाटलूर नाला पर श्रमदान से एक 250 फीट लंबा अस्थायी पुल का निर्माण किया है। इस पुल के बन जाने से कई गांवों का संपर्क आपस में जुड़ गया है, जिससे आवागमन और आपातकालीन सुविधाओं की राह काफी आसान हो गई है।

पूर्व के नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में विकास की एक नई इबारत लिखते हुए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) बल ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुरक्षा और विश्वास का एक नया सेतु तैयार किया है। आईटीबीपी की 38वीं वाहिनी ने घोर नक्सल प्रभावित जाटलूर नाला पर 250 फीट लंबे लकड़ी के फुट सस्पेंशन ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया है। केंद्रीय सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने आज एक गरिमामय समारोह में इस पुल का विधिवत लोकार्पण किया। यह नवनिर्मित पुल पिछले वर्ष नवंबर में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद अमोल माधव राव महस्के की स्मृति में उन्हें समर्पित किया जाएगा।

श्रमदान और स्थानीय संसाधनों की अनूठी मिसाल

लगभग 250 फीट लंबा, 5 फीट चौड़ा और 15 फीट ऊँचा यह पुल सुरक्षा बलों के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों के अटूट विश्वास तथा संयुक्त श्रमदान का परिणाम है। स्थानीय संसाधनों का कुशलता से उपयोग कर बनाए गए इस पुल से अब ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में उफनते जाटलूर नाला को पार करने के जोखिम से मुक्ति मिलेगी। यह पुल स्थानीय विद्यार्थियों, ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के लिए सालभर सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करेगा। लोकार्पण समारोह में महानिरीक्षक अजय पाल सिंह के साथ 45 वीं वाहिनी के कमांडेंट, 29वीं वाहिनी के कमांडेंट, 38वीं वाहिनी के द्वितीय कमान और 53वीं वाहिनी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और स्कूली बच्चे इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

शिविर लगाकर बांटी साइकिलें, स्वरोजगार की दी जानकारी

इस अवसर पर आईटीबीपी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया। इसके तहत जरूरतमंद ग्रामीणों और स्कूली छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। जवानों ने ग्रामीणों को स्वरोजगार, कौशल विकास और केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। शहीद के बलिदान को सलाम पुल निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जवानों और अधिकारियों को महानिरीक्षक श्री अजय पाल सिंह ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। पुल का नाम शहीद अमोल माधव राव महस्के के नाम पर रखने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय शहीद महस्के के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के प्रति सर्वोच्च समर्पण को सच्चा सम्मान है। यह पुल हमारे जवानों और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा देश सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। स्थानीय नागरिकों ने आईटीबीपीकी इस जनहितैषी पहल का आभार जताते हुए कहा कि यह पुल सिर्फदो किनारों को नहीं जोड़ता, बल्कि जनता और सुरक्षा बलों के बीच के विश्वास को और मजबूत करता है।

नचनिया जलाशय के लिए 3.91 करोड़ स्वीकृत

खैरागढ। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के तहत एक महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृति दी गई है। विभाग द्वारा खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के विकासखण्ड छुईखदान में स्थित नचनिया जलाशय के विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 3 करोड़ 91 लाख 26 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस परियोजना से क्षेत्रीय किसानों को कुल 101 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्नत सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। इस प्रशासनिक स्वीकृति के तहत नचनिया जलाशय के शीर्ष कार्य के साथ-साथ नहरों की रिमॉडलिंग और सीसी लाइनिंग का कार्य कराया जाएगा। इन कार्यों के पूरा होने से पानी के रिसाव में कमी आएगी और टेल एंड (अंतिम छोर) तक पानी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

खास खबर

मंत्रालय के कर्मचारी से चाकू की नोक पर लूट

रायपुर। रायपुर के नवा रायपुर-मंदिर हसौद मार्ग पर मंत्रालय में पदस्थ एक शासकीय कर्मचारी से चाकू की नोक पर लूट की गई है। बाइक सवार तीन बदमाशों ने कर्मचारी को जान से मारने की धमकी देकर उसका महंगा मोबाइल और कैश लूट लिया। मंदिर हसौद पुलिस के अनुसार, पीड़ित मिथलेश कुमार (34) नवा रायपुर के सेक्टर-17 स्थित शासकीय आवास में रहते हैं और मंत्रालय में कार्यरत हैं। बुधवार, 15 जुलाई को वे अपने निजी काम से स्कूटी से मंदिर हसौद गए थे। शाम करीब 6.19 बजे वापस लौटते समय नहर किनारे सड़क पर लघुशंका के लिए रुके। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। इनमें से दो आरोपियों ने अपने चेहरे स्कार्फ से ढंक रखे थे। तीनों बदमाशों ने कर्मचारी को घेर लिया और चाकू दिखाकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने उनसे करीब 28,999 रुपए कीमत का वीवो मोबाइल फोन और 1,700 रुपए कैश लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बाइक से मंदिर हसौद की ओर फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

जमीन बेचने के नाम पर 8 लाख की ठगी

दुर्ग। दुर्ग जिले में जमीन बेचने के नाम पर 8 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफकेस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पर खुद को जमीन का मालिक बताकर रकम लेने और बाद में रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप है। परिवादी जितेंद्र अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2019 में आरोपी भीमराज ने ग्राम नवातरिया की एक एकड़ जमीन अपनी बताकर 13 लाख रुपये में सौदा किया। आरोपी को बयाना के तौर पर 5 लाख रुपये का भुगतान किया। दस्तावेजों के मुताबिक, आरोपी ने शुरुआती भुगतान में 1.95 लाख रुपये और 1.50 लाख रुपये दो अलग-अलग चेकों के माध्यम से प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त 1.55 लाख रुपये नकद भी लिए गए। बाद में, सीमांकन और रजिस्ट्री कराने का भरोसा देकर 11 जनवरी को 2.50 लाख रुपये और 11 सितंबर 2022 को 50 हजार रुपये और प्राप्त किए। आरोपी पर कुल 8 लाख रुपये लेने का आरोप है। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। अब इकरारनामा, बैंक लेन-देन, राजस्व रिकॉर्ड और गवाहों के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे की परीक्षा में मोबाइल से नकल कैंडिडेट गिरफ्तार

रायपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड की ऑनलाइन परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले एक कैंडिडेट को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि कैंडिडेट एग्जाम सेंटर में मोबाइल छिपाकर ले गया था और कंप्यूटर स्क्रीन पर दिख रहे प्रश्नों की तस्वीरें खींच रहा था। परीक्षा केंद्र में मौजूद पर्यवेक्षक (इनविजिलेटर) की नजर उसकी गतिविधियों पर पड़ी, जिसके बाद उसे पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डीडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल जब्त कर लिया।

रायगढ़ में सिलबट्टे से कुचलकर दोस्त ने की हत्या

शराब पीने के दौरान विवाद, जांच में पुलिस डॉग रूबी युवक के हत्यारे तक पहुंची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में युवक की सिलबट्टे से कुचलकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले का खुलासा पुलिस डॉग 'रूबी' की मदद से हुआ। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम भकुर्रा आवासपारा निवासी गोरखनाथ चौहान (65) ने रविवार रात लैलूंगा थाने में सूचना दी कि उनके 23 वर्षीय बेटे रामनाथ उर्फ सोनू चौहान का शव घर की परछी में पड़ा है। उसके सिर और गर्दन पर सिलबट्टा रखा हुआ था।

गोरखनाथ ने पुलिस को बताया कि रामनाथ शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर झगड़ा करता था। इसी कारण उसके साथ कोई नहीं रहता था। उसकी मां भी एक सप्ताह पहले अपनी बेटी के घर ग्राम जमुना गई हुई थी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौके से एक गमछा बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर जांच शुरू की। इसके बाद डॉग स्क्वाड की मदद ली गई।

पुलिस डॉग 'रूबी' ने आरोपी तक पहुंचाया

डॉग मास्टर वीरेंद्र अनंत ने पुलिस डॉग 'रूबी' की मदद से घटनास्थल से मिले सुराग के आधार पर कई संदिग्धों की पहचान कराई। जांच के दौरान रूबी ने मृतक के दोस्त भुवनेश्वर यादव की ओर स्पष्ट संकेत दिए।

संदेह के आधार पर पुलिस ने भुवनेश्वर यादव (26) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन वह और रामनाथ साथ बैठकर खाना खा रहे थे और शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच शराब पीने को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में आकर उसने घर में रखे भारी सिलबट्टे से रामनाथ के सिर और गर्दन पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

एसएसपी ने डॉग स्क्वाड की सराहना की

रायगढ़ एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि पुलिस हर गंभीर अपराध की वैज्ञानिक और साक्ष्य-आधारित जांच के जरिए अपराधियों तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले में लैलूंगा पुलिस और डॉग स्क्वाड ने सराहनीय कार्य किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल गिरवी रखने पर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र में झाड़ियों में महिला का शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने की-पैड मोबाइल गिरवी रखने की बात पर गुस्से में पत्नी की हत्या कर दी थी।

मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, सोमवार को मस्जिदपारा स्थित प्रतीक चौवड़ा की बाड़ी परिसर में झाड़ियों के बीच प्लास्टिक की बोरी से ढका राजकुमारी चौहान (48) का शव मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि राजकुमारी और उसका पति मोहब्बत पिछले करीब एक साल से प्रतीक चौवड़ा के यहां रहकर देखरेख और मजदूरी का काम करते थे। दोनों शराब के आदी थे और मोहब्बत अक्सर नशे की हालत में पत्नी के साथ मारपीट करता था। रविवार रात भी दंपती के बीच विवाद और मारपीट की आवाजें आसपास के लोगों ने सुनी थीं।

अगले दिन शाम मोहल्ले के बच्चों ने बाउंड्री के भीतर झाड़ियों में बोरी से ढका शव देखा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। मृतका के बेटे लालजीत चौहान ने शव की पहचान अपनी मां राजकुमारी चौहान के रूप में की। घटना के बाद से आरोपी पति मोहब्बत चौहान फरार था।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पुलिस ने आरोपी की तलाश कर उसे धरमजयगढ़ क्षेत्र से हिरासत में लिया। पूछताछ में मोहब्बत चौहान ने बताया कि उसकी पत्नी ने उसका की-पैड मोबाइल किसी के यहां गिरवी रख दिया था। जब उसने मोबाइल के बारे में पूछा तो पत्नी ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

इससे गुस्से में आकर उसने लकड़ी के चौड़े पट्टे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पहले भी कर चुका है हत्या

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे पहले भी वह अपने ससुर की हत्या कर चुका है। इस बार उसने मोबाइल को लेकर हुए विवाद में पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आवारा-कुत्तों के हमले में 5 साल के मासूम की मौत, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के मानिकपुर चौकी क्षेत्र के दादर में आवारा कुत्तों के झुंड ने 5 साल के बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे को बुरी तरह नोच दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद लोगों में नाराजगी है।

मृतक की पहचान 5 साल के प्रकाश पटेल के रूप में हुई है। वह किशोर पटेल का बेटा था और पहली कक्षा में पढ़ता था। परिवार मूल रूप से जांजगीर जिले का रहने वाला है और दादर में मजदूरी कर जीवन-यापन करता है।

पिता ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 4 बजे वह एक घर में मजदूरी कर रहे थे। प्रकाश उनसे मिलने आया था। कुछ देर बाद वह अकेले घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में 5 से 6 आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया।

चीख सुनकर मौके पर पहुंचे पिता

पिता ने बताया कि बेटे की चीख सुनते ही वह दौड़कर पहुंचे। तब तक कुत्ते प्रकाश को घसीट-घसीटकर नोच रहे थे। बच्चे के सिर, गले और गुप्तांग के पास गंभीर चोटें आई थीं। किसी तरह कुत्तों को भगाकर वह बेटे को अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद प्रकाश को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मानिकपुर चौकी पुलिस पहुंची। अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दादर और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों पर कई बार कुत्तों के झुंड हमला कर चुके हैं। शिकायतों के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

घटना के बाद रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनकी बढ़ती संख्या पर रोक लगाने के लिए जल्द विशेष अभियान चलाया जाए।

पिता ने 7 साल की बेटी से रेप किया, मां बोली- पापा को देखते ही रोने लगती थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पिता ने अपनी ही 7 साल की बेटी के साथ रेप किया है। एएसआई ने पहली बार मामला रफा-दफा करवाकर भाई को बचा लिया। दूसरी बार वारदात होने पर मां ने 15 जुलाई को खुद ही एफआईआर दर्ज कराई। जिसके बाद गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। घटना स्मृति नगर चौकी इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी पिता ने पहली बार बेटी के साथ मार्च महीने में गंदी हरकत की थी। डरी-सहमी बच्ची ने तुरंत इस बात की जानकारी अपनी मां को दी। मां ने बताया कि पिता को देखते ही बच्ची उससे लिपटकर रोने लगती थी। उसने सबसे पहले इस बात की जानकारी अपने देवर को दी, जो एएसआई है।

वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक ने एसपी को पत्र लिखकर मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जांच जल्द पूरी कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में स्पीड ट्रायल के जरिए आरोपी को शीघ्र सजा दिलाई जाए।

पुलिसकर्मी चाचा ने पारिवारिक मामला बताकर दबाया

मां को उम्मीद थी कि, पुलिस में होने के नाते उसका देवर सही कदम उठाएगा और बच्ची को इंसाफ दिलाएगा। इस मामले में बच्ची के पुलिसकर्मी चाचा ने अपनी ड्यूटी निभाने के बजाय परिवार की बदनामी का हवाला देकर मामला दबाने की कोशिश की। चाचा ने अपनी भाभी को भरोसा दिलाया कि वह अपने भाई को समझाएगा और उसे सुधरने का मौका देगा। उसने आरोपी भाई से माफी मंगवाई और उसे परिवार से दूर भेजने का वादा भी किया।

जुलाई में फिर किया रेप

पुलिस में शिकायत न होने का फायदा उठाते हुए आरोपी पिता के हौसले और बढ़ गए। जुलाई के महीने में उसने दोबारा अपनी मासूम बेटी के साथ रेप किया। वह तुरंत अपनी बेटी को लेकर शिकायत दर्ज कराई।

मां अपनी बेटी को लेकर स्मृति नगर थाने पहुंची और आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी पिता को धर दबोचा।

पिता को देखते ही मां से लिपटकर रोने लगती थी मासूम

इस पूरी घटना ने मासूम बच्ची के दिमाग में बहुत बुरा असर डाला है। जब भी आरोपी पिता बच्ची के सामने आता था, वह बुरी तरह डर जाती थी। वह डर के मारे अपनी मां से लिपट जाती थी और जोर-जोर से रोने लगती थी।

बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के परिवार के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत बंद थी। उनके बीच आपसी रिश्ता अच्छा नहीं था। इसके बावजूद, जब मार्च में पहली बार यह घटना हुई, तो बच्ची की मां ने सारी पुरानी बातें भुलाकर अपने पुलिसकर्मी देवर को फोन किया था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

रायगढ़ में बिजली गिरने से महिला की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। गुरुवार शाम रायगढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। प्रभा एक्का (55) जंगल में पुटू बिनने गई थी, इस दौरान अचानक मौसम बदला और वह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। वहीं, राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। प्रदेश में 1 जून से अब तक सामान्य से 29त्न कम बारिश दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले अच्छी बारिश होने से इस कमी में सुधार आ सकता है।

रेलवेकर्मी के पेट में मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के किरोड़ीमल नगर रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे एक रेलवे पोर्टर पर 10 हजार रुपए नहीं देने पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। गंभीर हालत में उसे पहले जिंदल अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना के बाद जीआरपी ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके फरार साथियों की तलाश जारी है।

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उससे 10 हजार रुपए की मांग की। रुपए नहीं होने की बात कहने पर वे गाली-गलौज करने लगे और हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। गंभीर रूप से घायल विजय को पहले जिंदल अस्पताल और शुरुआती इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

घटना की शिकायत पर जीआरपी ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 121(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया।

-:: कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग (छ.ग.) ::-
।। आदिवासी विकास शाखा ।।
फैक्स नं. 0788-2323655, ई-मेल - actwd.durg@gmail.com

::-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-::

क्रमांक/533/आ.जा.क./6/निर्माण/576/2026 — दुर्ग, दिनांक 14/07/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) दुर्ग उपर्युक्त श्रेणी से लोक निर्माण विभाग (एकल पंजीयन "डी" श्रेणी एवं उच्च) में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 06.08.2026 को सायं 5.00 बजे तक निविदाये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील है। (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर. दर पर मुहर बंद दो लिफाफा पद्धति के तहत रजिस्टर्ड पोस्ट ए.डी/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। अमानत राशि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग के नाम से एफ.डी.आर./बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रस्तुत करना होगा।

निविदा प्रपत्र की राशि :- रुपये 300/- एवं रुपये 750/-
निविदा प्रपत्र क्रय की अंतिम तिथि :- 27.07.2026
निविदा प्रपत्र प्रदाय की तिथि :- 28.07.2026
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- 06.08.2026
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि :- 07.08.2026 (दोपहर 2.00 बजे)

क्र.	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	लागत राशि
1	2	3	4
1	विभागीय संस्थाओं में अनुरक्षण/लघु निर्माण कार्य	10	19,86,000/-

निविदा की शेष शर्तें एवं विस्तृत जानकारी कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) दुर्ग के कार्यालय में कार्यालयीन समयावधि में अवलोकन किया जा सकता है।

जी-262702145/4

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास, दुर्ग

किशोरी का अश्लील फोटो पोस्ट करने वाले आरोपी को हुई 3 साल की सश्रम कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। अपर सत्र न्यायालय (एफटीसी) एवं विशेष पॉक्सो न्यायालय, कोरबा ने नाबालिग से जुड़े एक मामले में आरोपी ओम प्रकाश कश्यप को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास व अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। प्रकरण में राज्य की ओर से सुनील कुमार मिश्रा विशेष लोक अभियोजक ने मजबूत पैरवी की।

बताया गया कि प्रार्थिया की नाबालिक पुत्री का आपत्तिजनक अश्लील फोटोग्राफ्स को आरोपी ओमप्रकाश कश्यप ने अपने मोबाईल से खींचकर इंस्टाग्राम में तथा प्रार्थी के साला के वाट्सअप में पोस्ट कर दिया था, जो समझाने पर हटा दिया था। प्रार्थी की पुत्री-पीडिता तीन चार माह से आरोपी से बात करना छोड़ दी थी। दिनाँक 12.06.2025 को शाम 3-4 बजे इस्टाग्राम आईडी से किसी व्यक्ति के द्वारा पीड़िता एवं आरोपी ओमप्रकाश कश्यप के आपत्ति जनक अश्लील फोटोग्राफ्स को इंस्टाग्राम में भेजा गया।

प्रार्थी की लिखित शिकायत पर थाना उरगा में धारा 74, 79 बीएनएस एवं धारा 8, 14(1) पाक्सो एक्ट एवं 67 (बी) आई.टी. एक्ट के तहत प्रथम रिपोर्ट दर्ज कर ओम प्रकाश कश्यप, पिता रमेश कुमार कश्यप, उम्र-19 वर्ष, निवासी- कुरुडीह सोहागपुर को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया गया।

न्यायालय में विचाराधीन इस प्रकरण में अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) (पीठासीन न्यायाधीश-सीमा प्रताप चंद्रा ने प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 77, 331(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत दोषी पाया।

न्यायालय ने अपने दण्डादेश में कहा कि आरोपी को दी गई सभी सजाएं एक साथ प्रभावी रहेंगी। सभी धाराओं में 3-3 वर्ष की सश्रम कैद,1-1 हजार रुपए का अर्थदंड, व राशि जमा नहीं करने की स्थिति में 3-3 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, **BALRAM CHANDRA** S/o **KRISHNA CHAND**, Resident of : Ward No. 12, Contractor Colony, G.E. Road, Supela, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490023 have changed my old name to new name **BALRAM CHAND** S/o **KRISHNA CHAND** so that I should be recognized by my new name that is **BALRAM CHAND** in all Government and other documents.

BALRAM CHANDRA
Ward No. 12, Contractor Colony, G.E. Road, Supela, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490023

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता श्रीमती संतोषी साहू पति श्री रमेश कुमार साहू निवासी ठेकवा, मुसरा तह. व जिला राजनांदगांव छ.ग. की निवासी हूँ, जो कि यह कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत कर रही हूँ। मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ। मेरे पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक- 5945 4568 4807 में मेरी पुत्री का नाम नारायणी साहू दर्ज है। जो सही एवं सत्य है। एफआईआर के कॉपी में त्रुटिवश मेरी पुत्री का नाम नारायणी साहू उर्फ नीति दर्ज हो गया है। यह कि जिससे नारायणी साहू को सही किये जाने तथा उर्फ नीति को हटाने के संबंध में प्रस्तुत कर रही हूँ। उक्त दोनों नाम नारायणी साहू व नारायणी साहू उर्फ नीति ये दोनों ही नाम अलग अलग है, किन्तु ये दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरी पुत्री का ही नाम हैं जो कि सही एवं सत्य है। शपथपत्र सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष मेरे सम्पूर्ण दस्तावेजों में मेरी पुत्री का सही नाम नारायणी साहू दर्ज किये जाने के संबंध में प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता
संतोषी साहू

रायपुर में गांजा के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डीडी नगर थाना पुलिस ने 2.150 किलोग्राम गांजा के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी एक्टिवा से गांजा लेकर बिक्री करने पहुंचे थे। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवंश मोदक, आर्यन सारथी और अमित सारथी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्धों को रोका और पूछताछ की। तलाशी के दौरान एक्टिवा में रखे कपड़े के थैले से 2.150 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

सरल सुगम सशक्त

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रशासनिक सुधार
- सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना
- ई-गवर्नेंस को बढ़ावा, ई-ऑफिस प्रणाली
- अटल डैशबोर्ड
- मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप
- सीएम हेल्पलाइन 1076

राजस्व एवं पंजीयन सुधार
- प्रदेश में 119 पंजीयन कार्यालय बन रहे स्मार्ट
- भूमि विवाद रोकने जियो-रेफरेंसिंग
- 10 क्रांतियों और सुगम एप से आसान हुई रजिस्ट्री प्रक्रिया
- वनाधिकार पट्टा वितरण से मिला मालिकाना हक

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
- जन विश्वास 2.0 लागू करने वाला पहला राज्य
- इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ पोर्टल के वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम से त्वरित स्वीकृति
- स्टार्टअप एवं नवाचार नीति 2025-30 लागू
- भारत सरकार द्वारा LEADS 2025 में लैंडलॉक्ड राज्यों में हाई परफॉर्मर की मान्यता

सेवाओं का डिजिटलीकरण
- 6,000+ पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र
- सेवा सेतु से 520 से अधिक सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर
- अस्थायी बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन सुगम प्रक्रिया

भ्रष्टाचार नियंत्रण एवं पारदर्शिता
- जेम पोर्टल से सरकारी खरीदी
- भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और नकल के विरुद्ध कठोर कानून
- खनिज ट्रांजिट पास की प्रक्रिया हुई पारदर्शी
- लकड़ी व खनिज ब्लॉक की पारदर्शी ई-नीलामी

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

प्रशासनिक सुधार और नवाचार

प्रगति और समृद्धि का सपना हो रहा साकार

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

Ro.No.-48382/4

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950